मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, (समस्तीपुर) बिहार-848125

अगस्त, 2020 खंड- 1 अंक- 2

कुलपति महोदय का संदेश :

यह बताते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है कि इंडिया टूडे – एम.डी.आर.ए. वर्ष 2019 के सर्वेक्षण में डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा को सामान्य विश्वविद्यालय (सरकारी) श्रेणी की रैंकिंग में 10वॉ स्थान प्राप्त हुआ है। यह बिहार का एकमात्र विश्वविद्यालय है, जिसे पिछले एक दशक में सर्वोच्च दस विश्वविद्यालयों में स्थान मिला हैं। मैं विश्वविद्यालय के प्रत्येक सहकर्मी और छात्रों को उनकी ईमानदारी और समर्पित भाव से किये गये कार्य के लिए बधाई देना चाहता हूँ, जिनके अथक प्रयासों के बिना यह उपलब्धि संभव नही हो पाती। कोविड–19 महामारी के कारण लॉकडाउन की स्थिति में सुचारू रूप से अंतिम सत्रांत परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए, सभी शिक्षकगण/वैज्ञानिक भी प्रशंसा के पात्र हैं। बिहार में इस मॉनसून सत्र में पिछले एक दशक के आंकड़ो की तुलना में बहुत ज्यादा बारिश हुई है, किन्तु हमें उम्मीद है कि इसके बावजूद भी खरीफ मौसम में भी हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे। मैं, विश्वविद्यालय के कोविड –19 योद्धाओं और बाढ़ प्रबंधन टीम के निरंतर प्रयासों की भी सराहना करता हूँ, जिनके अथक परिश्रम से विश्वविद्यालय परिसर किसी भी तरह की विनाशकारी स्थितियो से बचा रहा।

कुलपति महोदय की संलग्नता :

- बिहार सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में पी.एम.के.वाइ.एस. की एक राज्य स्तरीय अनुमोदन समिति की बैठक में वीडियो कॉंफ्रेसिंग के माध्यम से योगदान किया।
- अतिरिक्त सचिव (उद्यानिकी) एवं डी.ए.सी और एफ.डब्ल्यू भारत सरकार श्री अभिलाक्ष लिखि की अध्ययक्षता में राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं मधु उत्पादन की बैठक में वीडियो कॉंफ्रेसिंग के माध्यम से भाग लिया।
- डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के सेंटर फॉर स्टार्ट अप फेसिलेटेशन एवं एग्रीवेंचर फर्म प्राईवेट लिमिटेड के बीच हुए समझौते के समारोह का उद्घाटन किया।

- वीडियो लिंक के माध्यम से केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालयों की समीक्षा बैठक में प्रस्तुति दी।
- वीडियो कॉंफ्रेसिंग के जरिये भा0 कृ0 अनु0 प0 के 92 वें स्थापना दिवस एवं पुरस्कार समारोह में भाग लिया।
- भारत सरकार के डिजिटल इंडिया (ई–गर्वनेंस) कार्यक्रम के तहत लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के डेमो कार्यक्रम में भाग लिया।

- वीडियां कॉंफ्रेंसिंग के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्रों की तीसरी वार्षिक जोनल कार्यशाला को संबोधित किया।
- आई.ए.एस.डब्ल्यू.सी. देहरादून के द्वारा आयोजित भूमिक्षरण तटस्थता प्राप्त करने के उपाय विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया।
- संयुक्त राष्ट्र विश्व जनसंख्या दिवस, 2020 के अवसर पर ए.एन.आर.सी.एम. द्वारा आयोजित "प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण पर जनसंख्या दबाव" विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान दिया।
- माननीय प्रधानमंत्री जी और श्री बिल गेट्स के बीच चर्चा से उत्पन्न बिंदुओं को लेकर भा0 कृ0 अनु0 प0 के बी. एंड एम.जी.एफ. प्रस्ताव को

विकसित करने के लिए वर्चुअल बैठक में शामिल हुए।

- ❖ अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं के आई0 डब्ल्यू0 एम0 बैठक में शिरकत की एवं समूहों को संबोधित किया।
- ❖ सोमैया इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड कंसलटेंसी, सोमैया विद्या बिहार यूनिवर्सिटी एवं संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया (UNGCNI) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कोविड–19 परिदृश्य में "विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान में चुनौतियाँ" विषय पर विशेष वर्चुयल नॉलेज शेयरिंग सेशन में योगदान दिया।
- ❖ सिंगापुर के युवा उद्यमियों के साथ विश्वविद्यालय में ''परामर्श सेवाओं'' नामक विषय के वार्तालाप में भाग लिया।

शिक्षा एवं शैक्षिक गतिविधियां :

डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय सभी डिग्री कार्यक्रमों के शीतकालीन सेमेस्टर की नियमित कक्षाओं के संचालन के लिए इंटरनेट आधारित अनुप्रयोंगो (एप्लिकेशन) का लागातार उपयोग कर रहा है। विभिन्न ऑन–लाईन माध्यमों के जरियें शिक्षकों ने साप्ताहिक व्याख्यान एवं प्रश्नोत्तरी पूर्ण किया तथा छात्रों के साथ संवाद जारी रखा। नियमित गृह कार्यो के अतिरिक्ति कुछ शिक्षकों ने छात्रों की रचनात्मक्ता को प्रोत्साहित करने के लिये उनसे विशेष कार्य जैसे वीडियो असाइनमेंट और मॉडल तैयार करने जैसे कार्य भी करवाए।

स्नातक (उद्यानिकी) के छात्रों द्वारा तैयार किया गया टेरारियम जो कि उनके गृह कार्यो का हिस्सा था।

विभिन्न स्नातक, परास्नातक एवं पी0एच0डी0 डिग्री प्रोग्राम की सत्रांत परीक्षा ऑन लाईन माध्यमों का उपयोग करके सफलतापूर्वक आयोजित की गई। शोध प्रतिवेदन सेमिनार का कार्य भी ऑन–लाईन माध्यमों से जारी है। छात्रो ने कोविड–19 के प्रकोप के दौरान शिक्षकों के प्रयासो की सराहना की है जिससे कि उनकी पढ़ाई मे निरंतरता बनी रही और कोई बाधा नहीं पहुँची। स्नातक (कृषि) के छात्रों द्वारा कुलपति को आभार के रूप में भेजा गया एक संदेश इस प्रकार है– *"आदरणीय प्राध्यापकगण छठे सेमेस्टर के छात्रो की तरफ से हम वर्ग प्रतिनिधि– सुनील डाबर तथा अनीशा कुमारी, कोविड–19 के दौरान आपके द्वारा शिक्षा मे दिये गये महान सहयोग के लिये आपका आभार व्यक्त करते हैं। मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक सहयोग के लिये आपका धन्यवाद। आपके बगैर हम इस प्रकोप का सामना नहीं कर पाते और छठे सेमस्टर को बेहतर ढंग से पूरा नहीं कर पाते। उम्मीद है आपसे शीघ्र मुलाकात होगी। अपना आशीर्वाद यूँ ही हम सब पर बनाये रखें।"*

अनुसंधान :

सेंटर फॉर स्टार्ट अप फेसिलिटेशन के माध्यम से प्रौद्योगिकियो का व्यवासायीकरण

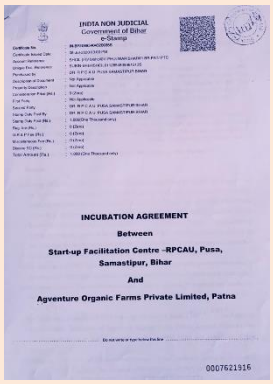

INDIA NON JUDICIAL
Government of Bihar
e-Stamp

INCUBATION AGREEMENT
Between
Start-up Facilitation Centre -RPCAU, Pusa, Samastipur, Bihar
And
Agventure Organic Farms Private Limited, Patna

0007621916

किसान मेला 2020 के दौरान भारत सरकार के पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्री माननीय श्री गिरिराज सिंह द्वारा सेंटर फॉर स्टार्ट अप फेसिलिटेशन का उद्घाटन किया गया। डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्टार्ट अप फेसिलिटेशन एवं एग्रीवेंचर आर्गेनिक फॉर्म प्राइवेट लिमिटेड के बीच समझौते पर 9 जुलाई 2020 को हस्ताक्षर हुये जिससे नये प्रौद्योगिकियों को समग्र रूप से बाजार मिल सकेगा। प्रौद्योगिकियो में प्रमुख है– मधु, मशरूम के उत्पाद, गुड़ तथा हर्वल गुलाल। अनुसंधान और नवाचार से इन्टरप्रैन्योरशिप की ओर विश्वविद्यालय की यह एक ऊँची छलांग है।

जलवायु अनुकूल कृषि और जलवायु स्मार्ट कृषि कार्यक्रमों के तहत प्रदर्शन

जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के तहत मधुबनी के सुखेत, बिसौल और मछही गांवों में (218 एकड) में सीधे बोने वाले धान के बीज की रोपाई का प्रदर्शन किया गया। अधिक उपज वाले धान के प्रभेद "राजेन्द्र मसूरी" की रोपनी हरी खाद के साथ 302 एकड़ में की गई। डिबलिंग के माध्यम से सोयाबीन की बुआई का प्रदर्शन भी किया गया। समस्तीपुर–दरभंगा स्टेट हाईवे के 25 गांवों में 950 एकड़ भूमि पर जलवायु स्मार्ट कृषि कार्यक्रम के तहत सीधी बुआई वाले धान की रोपनी का प्रदर्शन किया गया। पानी बचत करने वाली सिंचाई तकनीकों को एकान्तर सिंचाई एवं सुखाई (Alternate wetting and drying) के माध्यम से 203 एकड़ में तथा 267 एकड़ में नाइट्रोजन की बचत हेतु दोनो प्रोजेक्ट के माध्यम से सिफारिस किया जा रहा

हैं। 17 कृषि विज्ञान केन्द्रों के 255 एकड़ प्रक्षेत्र में धान–गेहूं फसल प्रणाली की सुनिश्चित सिंचाई के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने का प्रदर्शन किया गया है। सुनिश्चित सिंचाई के लिए प्रत्येक स्थान पर 3 हॉर्स पॉवर सिंगल फेज मोटर के सबमर्सिबल पम्प लगाये गए हैं। विश्वविद्यालय कम अवधि वाली सब्जी फसलों को अन्य फसलों चक्रों में लगनेवाली फसलों को बिना प्रभावित किए लगाने की योजना बना रहा है ताकि गेहुँ की बुआई में 15 नवम्बर से ज्यादा देर न हो।

हल्दी बीज की बिक्री से आय

तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढ़ोली में केन्द्रीय प्रायोजित मसाला विकास योजना से संचालित 462.90 क्विंटल हल्दी बीज को बिहार, थाणे (महाराष्ट्र), बिलासपुर (छत्तीसगढ़) और लुधियाना (पंजाब) के प्रगतिशील किसानों के मध्य बिक्री की गई जिससे 13.887 लाख रूपये की आय प्राप्त हुई।

बूढ़ी गंडक नदी में बाढ़ की स्थिति

उत्तरी बिहार और नेपाल के पहाड़ी इलाकों में दक्षिण–पश्चिमी मानसूनी बारिश से बूढ़ी गंडक नदी में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। ढाब क्षेत्र में विकास परियोजनाएं यथा पर्माकल्चर और बांस वृक्षारोपण के सभी अनुसंधान और प्रदर्शन क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं। विश्वविद्यालय को उम्मीद है कि स्थिति जल्द ही सामान्य हो जाएगी।

बिहार की परिस्थितियों में उपज क्षमता के लिए वोल्वेरेला वोल्वैसी का मूल्यांकन

मशीन द्वारा काटी गई धान के पुआल के बंडल पर बिहार की परिस्थितियों के लिए वोल्वेरेला वोल्वैसी VV-11 तथा VV-12 के दो अलग अलग प्रभेदों का मूल्यांकन किया गया। परिणाम में पाया गया कि दोनों प्रभेदों का उपज 15–20 दिनों में 25–30 कि.ग्रा./100 कि.ग्रा. पुआल के उपयोग पर होता है। अब बिहार में मई से सितम्बर तक इसकी खेती करने की संस्तुति की गई है।

कृषि प्रसार:

दो अभिनव किसानों को भा0 कृ0 अनु0 प0 के प्रतिष्ठित जगजीवन राम पुरस्कार 2019 से नवाजा गया

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीवान के अंतर्गत भगवानपुर हाट के श्री शिव प्रसाद साहनी और कृषि विज्ञान केन्द्र, सरैया के अंतर्गत मड़वन के डॉ. रामाशंकर सिंह को संयुक्त रूप से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रतिष्ठित जगजीवन राम पुरस्कार (जोनल) से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार भारत सरकार के माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा भा0 कृ0 अनु0 प0 के 92वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में 16 जुलाई, 2020 को प्रदान किया गया।

आई.सी.ए.आर द्वारा डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों की नवीन प्रौद्योगिकियों को स्थान

कोविड–19 महामारी के दौरान नवाचार प्रौद्योगिकियों के दौर में डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की दो प्रौद्यागिकी, के.वी.के. सरैया के ''एग्रोमेट एडवायजरी'' से सफल फसल कटनी तथा के0वी0के0 पिपराकोठी के ''लॉकडाउन के दौरान गोदामों में अनाजों का प्रभावी भंडारण'', की प्रशंसा की गई और इन्हें भा0 कृ0 अनु0 प0 द्वारा प्रकाशित ई–बुक "इनोवेटिव एग्रो सॉल्युशन ड्यूरिंग कोविड–19" में स्थान प्रदान किया गया।

विडियो कॉंफ्रेन्सिंग के माध्यम से जोन चार के कृषि विज्ञान केन्द्रों की जोनल कार्यशाला

जोन चार के कृषि विज्ञान केन्द्रो का जोनल कार्यशाला 20 से 21 जुलाई 2020 को विडियो कॉंफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया गया जिसमें सभी कृषि विज्ञान केन्द्रो ने 2019–20 का वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन तथा 2020–21 का वार्षिक कार्ययोजना भी प्रस्तुत किया।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण रोजगार योजना के तहत किसानों का प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम

प्रवासी मजदूरों की घर वापसी के कारण आनेवाली चुनौतियों का सामना करने के लिए डा. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा के कृषि विज्ञान केन्द्रों ने भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए पी एम जी आर वाई के तहत 20 कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें 77 महिला मजदूरों सहित 670 से अधिक मजदूरों ने भाग लिया और बकरी पालन, मसाला उत्पादन, मुर्गीपालन और मत्स्य पालन पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यक्रम की शुरूआत भारत सरकार द्वारा भारत के 6 राज्यों – बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा और झारखंड के 116 जिलों में किया गया जिसमें 12 विभिन्न मंत्रालयों/विभागो द्वारा 25 विभिन्न गतिविधियों में सहयोग किय जा रहा है।

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा एफ एल डी/सी एफ एल डी/ओ एफ टी का आयोजन

भारत सरकार के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 के कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा लगभग 100 हेक्टेयर में अरहर, उड़द, और सोयाबीन पर क्लस्टर फ्रन्ट लाईन डिमोन्स्ट्रेशन किया गया। इसी तरह 5 हेक्टेयर में बैंगन में स्पीनोसड के प्रभाव, चारा मक्का का प्रदर्शन 3 हेक्टेयर में, खरीफ मक्का के प्रभेदों का प्रदर्शन 50 हेक्टेयर में किया गया। इसके अतिरिक्त लौकी पर 10 प्रदर्शन तथा फ्लाई ट्रैप पर 50 प्रदर्शन भी के0वी0के0 द्वारा किया गया। वर्तमान कृषि प्रौद्योगिकियों के आकलन और सुधार के लिए खरीफ 2020 के दौरान 10 ऑन फार्म ट्रायल भी किसानों के खेतों में किए गए।

कृ0वि0के0 द्वारा पुस्तकों/प्रसार सामग्री का प्रकाशन

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरैया के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित दो पुस्तकों "जैविक खेती" एवं "सूक्ष्म सिंचाई पद्धति" तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, बिरौली द्वारा एक प्रसार साहित्य "सायंटिफिक कल्टीवेशन ऑफ ग्लैडियोलस" का विमोचन बिहार के माननीय कृषि मंत्री डा0 प्रेम कुमार द्वारा जोन चार के वर्चुअल जोनल वर्कशॉप के दौरान किया गया।

डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 के एडवांस रिसर्च सेंटर ऑन मशरूम द्वारा प्रशिक्षण

एडवांस रिसर्च सेंटर ऑन मशरूम द्वारा प्रवासी मजदूरों के लिए मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम समस्तीपुर के मोरदीवा, विष्णुपुर में 11 जुलाई 2020 को आयोजित किया गया जिसमें 27 प्रवासी मजदूरों ने भाग लिया। आदिवासी उपयोजना के तहत 16 से 18 जुलाई 2020 तक समस्तीपुर के चक अब्दुल गनी में मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें 30 किसानों ने भाग लिया। मशरूम उत्पादन से एग्री इन्टरप्रेन्योर डेवलपमेंट कार्यक्रम दिनांक 07.07.2020 को आयोजित किया गया जिसमें बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर ने भी भाग लिया। मशरूम के मार्केटिंग के लिए "मार्केटिंग स्ट्रैटेजी ऑफ डिफरेंट मशरूम" विषय पर एक प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश तथा झारखंड के 30 मशरूम उत्पादकों ने भाग लिया। डा0 रा0 प्र0 के0 कृ0 वि0 पूसा के तकनीकी पर्यवेक्षण में मशरूम एवं उनसे बने हुए उत्पादो की बिक्री के लिए मुजफ्फरपुर में एक दुकान शुरू किया गया है।

अन्य गतिविधियाँ

1. माननीय कुलपति ने "विश्वविद्यालय प्रकाशन प्रभाग" का उद्घाटन किया।
2. डा0 सुधानंद प्रसाद लाल ने 4–5 जुलाई, 2020 को जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा आयोजित नेशनल वेबिनार "मोटिवेशन ऑफ युथ टुवार्ड्स एग्री इन्टरप्रेन्योरशिप एंड इनोवेटिव फार्मिंग" में सर्वोच्च ओरल प्रेजेन्टेशन अवार्ड हासिल किया।

संपर्क: www.rpcau.ac.in, publicationdivision@rpcau.ac.in
संकलन एवं संपादन :डॉ. (राकेश मणि शर्मा, रत्नेश कु. झा, पी. कु. प्रणव, अंकुर जामवाल, आशीष कु. पंडा, गुप्तनाथ त्रिवेदी, कु. राज्यवर्द्धन)
प्रकाशन: प्रकाशन प्रभाग, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा